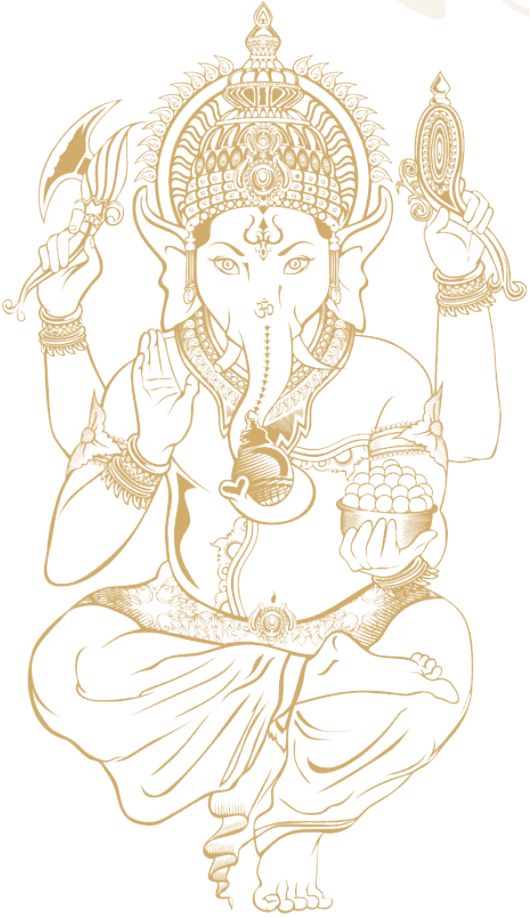

Mr.vikash

18 Jul 2009

02:10 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121226404

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **18/07/2009**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	: **14:10:00 घंटे**
इष्ट	: 22:26:35 घटी
स्थान	: **Gaya**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 24:48:00 उत्तर
रेखांश	: 85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 14:20:00 घंटे
वेलान्तर	: -00:06:14 घंटे
साम्पातिक काल	: 10:05:10 घंटे
सूर्योदय	: 05:11:22 घंटे
सूर्यास्त	: 18:40:43 घंटे
दिनमान	: 13:29:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 01:52:13 कर्क
लग्न के अंश	: 00:33:19 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	: **वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	: **कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
योग	: गण्ड
करण	: बालव
गण	: राक्षस
योनि	: मेष
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: चतुष्पाद
वर्ग	: गरूड़
युँजा	: पूर्व
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:33:19	313:09:55	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	01:52:13	00:57:16	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	09:34:12	14:21:50	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			वृष	10:22:30	00:41:47	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
बुध		अ	कर्क	06:49:59	02:04:39	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
गुरु	व		कुंभ	01:20:22	00:05:49	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र			वृष	20:25:14	01:07:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	स्वराशि
शनि			सिंह	24:00:51	00:05:31	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मक	06:13:57	00:00:21	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	06:13:57	00:00:21	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	02:30:46	00:00:48	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप	व		कुंभ	01:51:52	00:01:21	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	07:22:16	00:01:22	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	05:10:26	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:41

लग्न-चलित

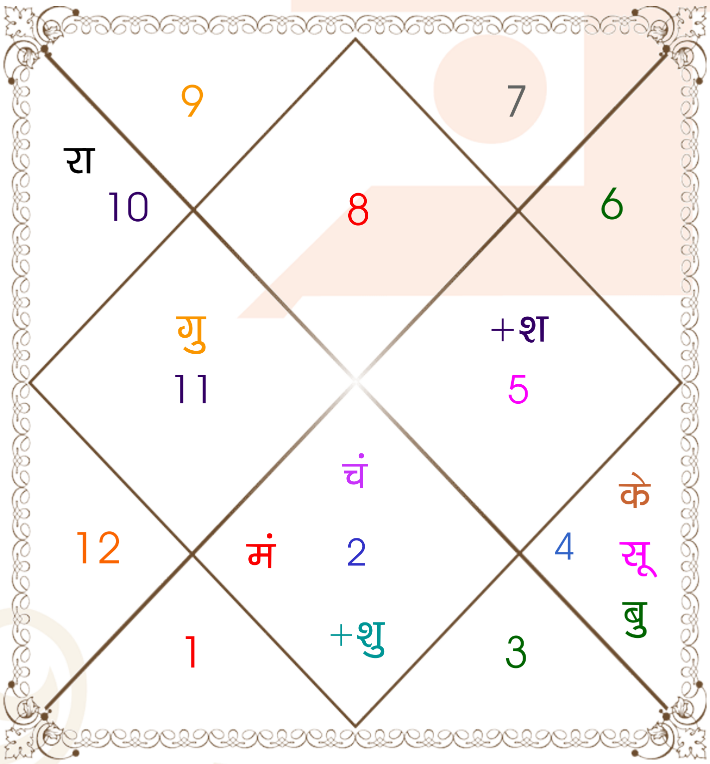

चन्द्र कुंडली

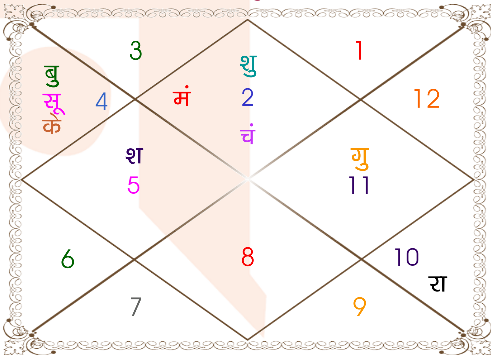

नवमांश कुंडली

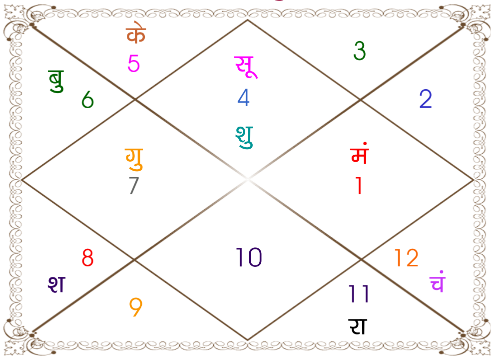

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 2 मास 9 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/07/2009		27/09/2009		27/09/2019		27/09/2026		27/09/2044	
27/09/2009		27/09/2019		27/09/2026		27/09/2044		27/09/2060	
	00/00/0000	चंद्र	28/07/2010	मंगल	23/02/2020	राहु	09/06/2029	गुरु	15/11/2046
	00/00/0000	मंगल	26/02/2011	राहु	13/03/2021	गुरु	03/11/2031	शनि	28/05/2049
	00/00/0000	राहु	27/08/2012	गुरु	17/02/2022	शनि	09/09/2034	बुध	03/09/2051
	00/00/0000	गुरु	27/12/2013	शनि	29/03/2023	बुध	28/03/2037	केतु	09/08/2052
	00/00/0000	शनि	28/07/2015	बुध	25/03/2024	केतु	16/04/2038	शुक्र	10/04/2055
	00/00/0000	बुध	27/12/2016	केतु	21/08/2024	शुक्र	15/04/2041	सूर्य	27/01/2056
	00/00/0000	केतु	28/07/2017	शुक्र	21/10/2025	सूर्य	10/03/2042	चंद्र	28/05/2057
	18/07/2009	शुक्र	29/03/2019	सूर्य	26/02/2026	चंद्र	09/09/2043	मंगल	04/05/2058
शुक्र	27/09/2009	सूर्य	27/09/2019	चंद्र	27/09/2026	मंगल	27/09/2044	राहु	27/09/2060

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
27/09/2060		27/09/2079		27/09/2096		28/09/2103		28/09/2123	
27/09/2079		27/09/2096		28/09/2103		28/09/2123		19/07/2129	
शनि	30/09/2063	बुध	23/02/2082	केतु	23/02/2097	शुक्र	28/01/2107	सूर्य	16/01/2124
बुध	09/06/2066	केतु	20/02/2083	शुक्र	25/04/2098	सूर्य	28/01/2108	चंद्र	16/07/2124
केतु	19/07/2067	शुक्र	21/12/2085	सूर्य	31/08/2098	चंद्र	28/09/2109	मंगल	21/11/2124
शुक्र	18/09/2070	सूर्य	27/10/2086	चंद्र	01/04/2099	मंगल	28/11/2110	राहु	16/10/2125
सूर्य	31/08/2071	चंद्र	28/03/2088	मंगल	28/08/2099	राहु	28/11/2113	गुरु	04/08/2126
चंद्र	31/03/2073	मंगल	25/03/2089	राहु	15/09/2100	गुरु	29/07/2116	शनि	17/07/2127
मंगल	10/05/2074	राहु	12/10/2091	गुरु	22/08/2101	शनि	28/09/2119	बुध	23/05/2128
राहु	16/03/2077	गुरु	17/01/2094	शनि	01/10/2102	बुध	29/07/2122	केतु	28/09/2128
गुरु	27/09/2079	शनि	27/09/2096	बुध	28/09/2103	केतु	28/09/2123	शुक्र	19/07/2129

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।